

कुल प्रश्नों की संख्या :] 17
Total No. of Questions :]

पृष्ठों की कुल संख्या :]
Total No. of Pages :]
20

समय : 3 घंटे]
Time : 3 Hours]

पूर्णांक :] 100
Full Marks :]
उत्तीर्णांक :] 30
Pass Marks :]

सामान्य निर्देश

GENERAL INSTRUCTIONS

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।

Figures in the margin indicate full marks.

3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

All questions are compulsory.

4. प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के साथ दिये गये निर्देशों के आलोक में ही लिखें।

Answers of the questions must be in the context of the instructions given therein.

| | | | |
|--------|----|---|---|
| प्रश्न | 1. | बिहाक 'बर परछा' किमबा 'लगन बाँधा' नेगेक कनअ अना (एकटा) गित लिखा । | 5 |
| प्रश्न | 2. | दुसु लेइकुहुन जे कनअ एकटा — 'दुसु थापा' किमबा 'दुसु चुमान' गित सराउआ । | 5 |
| प्रश्न | 3. | कबि 'बिनन्द सिंह' किमबा 'दिना ताँतिक' कनअ अना गितेक अना कलि लिखा । | 5 |
| प्रश्न | 4. | हेंठे देउअल डांड़ि गिलिनेक बाखान करा — बड़अ घारेक बहु-बेटि लाज नेखेइन एकअ ठपि दसि देखाइ दिहा मर छउआटा टाटका मिछा तहर काथाटा । | 5 |
| प्रश्न | 5. | हेंठेक डांड़ि गिलिनेक भाभ फेइरछाउआ — दिन-राइत खाटि-खाटि बछर दिने एकता ठेंठि छिंठि गेला गअ मर बने-बादाड़े ठसअकि गिरत लर डुमा माड़े । | 5 |
| प्रश्न | 6. | 'गुआ लुका' नेगेक बाखान करा । | 5 |
| प्रश्न | 7. | 'अगहन सांकराइत' कबे मानल जाइक ? अगहन सांकराइते किना-किना नेग हेइक । | 5 |



| | | | |
|--------|-----|--|----|
| प्रश्न | 8. | 'लाजाल बाघें लुलुहा चाटे' किमबा 'काना गरूक भिनु बाथान' — आहनाटाके केहनिक दांझे दांजाहाक । | 5 |
| प्रश्न | 9. | 'जाहिरा पुजाक' बाखान करा । | 5 |
| प्रश्न | 10. | 'र्जअसला' (मासनृतअ) परबेक नेग-नेति दाँजा । | 5 |
| प्रश्न | 11. | हेंठे देउअल आहना गिलिनेक माने फेइरछाउआ : (क) अगहन पिताल मरद, भादर पिताल बरद । (ख) आमें बान, तेंतेइरे टान । (ग) चटे चिडळा, आजचे पिठा । (घ) एड़िआ गरू, बामहन दान । (ङ) टेटकात्र मारइ झटकि, हाथिज मारइ पटकि । | 10 |
| प्रश्न | 12. | खाटअ करिकुहुन लिखा — आदिम कुड़मिक धरम हेकेइन आदिम धरम जेटाके एखन सारना बा सारेइ धरमअ कहथिक । आदिम कुड़मिज भिनु-भिनु जिउकर देबता-भुताकर मरल हाजाल मानुस कर आत्ताक सानति लागिन पुजा-पासा आपन दाराज आपन नेंगाचोंर करेइते आउअहत । कुड़मिक पुजा-पासाज बामहन आर बेद कर कनअ चलन नेखेइक । एखरा निजेक पुजा निजेइ करत आर सामाजिक पुजा-पासा देहरि पाहाने करेइ । कुड़मि खाँटि आजआ परकिरति पुजक हेकत । साइकात जेटा थानाउअत उटाकेइ साखि मानि पुजा करत । | 8 |
| प्रश्न | 13. | दसाक (कारकेक) चिन्हाप आर बाचिक सदर करा । | 4 |
| प्रश्न | 14. | ढेसना देइकुहुन अउजिक (सर्वनामेक) खेजा करा । | 4 |
| प्रश्न | 15. | 'नामान' आर 'इड़केइस' साडा (शब्द) ले पाइन (प्रत्यय) छिनगाउहान । | 2 |
| प्रश्न | 16. | कुड़ि टुमें (वाक्य) कनअ एकटाक लेइकुहुन सिजजिके लिखा : (क) निरन मास (ख) गाराम पुजा (ग) पाँता नाच । | 10 |
| प्रश्न | 17. | कन्अ अनाक टेनेन (तीस) टुमें ठिरिआउआ : (क) कबि सिसटिधर (ख) निरमल माहतअ (ग) 15 अगस्त (घ) कुरमालि चारि । | 12 |

